विविध यात्राएँ

उपर उल्लिखित विशेष यात्राओं के अतिरिक्त बहुत सी यात्राऐं ऐसी हैं, जो विशिष्ट महिनों के विशिष्ट दिनों में होती है। जैसे :

(क)

१. रविवार	१. प्रत्येक मास में लोलार्क-यात्रा
	२. प्रत्येक मास में अर्कविनायक-यात्रा (वहीं पर)
	३. आदित्य-यात्रा
	४. भैरव-यात्रा
	५. पौष में उत्तरार्क-यात्रा। यह अब लुप्त है।
	६. ज्येष्ठ में वृद्धकाल यात्रा
	७. चैत्र में साम्बादित्य-यात्रा
२. सोमवार	१. प्रत्येक मास में अ. चन्द्रेश्वर। आ. करूणपेश्वर।
	२. श्रावण में केदारेश्वर।
३. मंगलवार	१. दुर्गाजी।
	२. हनुमानजी।
	३. भौमवती अमावस्या को केदारजी में श्राद्ध।
	४. भैरव। भौमाष्टमी परमपुनीत।
	५. यमतीर्थ तथा यमेश्वर-चतुर्दशी तथा भरणी नक्षत्र में।
	६. बन्दी देवी।
४. गुरूवार	गुरूपुष्ययोग में वृहस्पतीश्वर। यदि व्यतिपात भी हो, तो ज्ञानवापी-यात्रा।
५. शुक्रवार	१. संकठाजी।
	२. शुक्रेश्वर।
६. शनिवार	१. शनैश्चरेश्वर।
	२. शनिप्रदोष को कामेश्वर।
	३. शनिप्रदोष को चन्द्रेश्वर।

(ख) इस प्रकार कुछ यात्राएँ विशेष परिस्थितियों में होती है।

१.चतुर्थी	१. ढुण्ढिराज।
	२. विनायक यात्रा।
	३. भौमवार पड़े, तो अंगारेश्वर यात्रा।
२. षष्ठी	१. यदि रविवार हो, तो आदित्य-यात्रा।
३. सप्तमी	१. यदि रविवार हो, तो आदित्य-यात्रा।
४. अष्टमी	१. भरव-यात्रा।
	२. दुर्गाजी।
	३. स्वप्नेश्वरी।
	४. चण्डी-यात्रा।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

	५. पिंगला (सिद्धेश्वरी के पास अदृश्य)।
	६. ईशानेश्वर?
	७. त्रिलोचन।
	८. मत्स्योदरी।
	९. ज्ञानवापी।
	१०. मंगलवार की अष्टमी को भैरवयात्रा का विशेष माहात्म्य है।
	११. सिद्धयोगेश्वरी।
५. नवमी	१. चण्डीयात्रा (प्रचलित)।
	२. कुलस्तम्भ-यात्रा (लाटभैरव)।
	व्यासपुरी-यात्रा (कर्णघण्टा पर)
६. ऐकादशी	१. विष्णुयात्रा।
७. द्वादशी	१. ताघाट पर स्थित काशीदेवी की यात्रा।
	२. ज्ञानवापी में एकादशी-व्रत के उपरान्त जलपान।
८. चतुर्दशी	१. ईशानेश्वर।
	२. सिद्धयोगेश्वरी।
	३. आत्मावीरेश्वर।
९. पूर्णिमा	१. चन्द्रेश्वर।
	२. यदि पूर्णिमा को भाद्रपद नक्षत्र हो, तो भाद्रह्द। अब लुप्त है।
	वर्त्तमान भद्रकुण्ड भी भोंसलाघाट पर बालू में दबा पड़ा है।
१०. अमावस्या	१. चन्द्रकूप में सोमवती अमावास्या को श्राद्ध।
	२. कपिलधारा तथा वृषभध्वज में भी सोमवती अमावास्या को श्राद्ध का बड़ा माहात्म्य है।
११. अमावस्या	३. यदि भौमावार हो, तो केदारकुण्ड में श्राद्ध।
	४. यदि गुरूवार हो, तो धर्मकूप में श्राद्ध।
१२. चन्द्रग्रहण	१. दण्डखात में स्नान (यह तीर्थ लुप्त हो गया है)
१२. सूर्यग्रहण	१. लोलार्क, कुरूक्षेत्र का तालाब, सोनहटिया तथा दण्डखात में स्नान। दण्डखात तीर्थ अब लुप्त है।

(ग) इन सामान्य तिथियात्राओं के अतिरिक्ति कुछ यात्राएं वार्षिक रूप से विशेष महीनों की विशेष तिथियों को होती है। इनमें से मुख्य-मुख्य का विवरण नीचे दिया जाता है।

तिथि		तीर्थ का नाम	स्थान
चैत्र कृ.	१.	१. शैलेशादि चतुर्दश लिंग-यात्रा	तीर्थों के स्थान ठचतुर्दशायतन-यात्रा' शीर्षक में पहले दिये जा चुके हैं।
		२. योगिन-यात्रा	मानमन्दिर घाट पर वाराही देवी की, मयूरी की लक्ष्मीकुण्ड पर, कामाक्षा की कमच्छा में, तथा अन्य सभी की चौसटठी घाट पर राणामहल में यात्रा होती है। इनके प्रतीक-रूप में चौसटठी घाट पर स्थित चौसटठी देवी की यात्रा ही अब प्रचलित हो गई है, परन्तु उसका कोई शाश्त्रीय प्रमाण नहीं है।
चैत्र कृ.	१.	३. शैलेश्वर-यात्रा	मढ़िया घाट वरणा-तट पर।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

चैत्र कृ.	२.	१.	संगमेश्वर-यात्रा	आदिकेशव के पास।
चैत्र कृ.	३.	१.	स्वर्लीनेश्वर	नया महादेव नाम से राजघाट के निकट।
चैत्र कृ.	४.	१.	मध्यमेश्वर	मैदागिन के उत्तर मध्यमेश्वर मुहल्ले में।
		२.	ढुण्ढिराज	प्रसिद्ध।
चैत्र कृ.	५.	१.	हरिण्यगर्भेश्वर	त्रिलोचनघाट पर।
चैत्र कृ.	६.	१.	ईशानेश्वर	कोतवालपुरा में बाँसफाटक सिनेमा के पास की गली में। मकान नं. सी०. के. ३७/४३।
चैत्र कृ.	७.	१.	गोप्रेक्षेश्वर	लालघाट पर। मकान नं०. के.. ४/२४ में।
चैत्र कृ.	८.	१.	वृषभध्वज	कपिलधारा में।
चैत्र कृ.	९.	१.	उपशान्तशिव	अग्नीश्वर घाट के निकट पटनीटोला के फाटक के पास। मकान नं. सी. के. २/४ में।
चैत्र कृ.	१०.	१.	ज्येष्ठेश्वर	काशी पुरा सप्तसागर में। मकान नं. के. ६२/१४४।
चैत्र कृ.	११.	१.	निवासेश्वर	भूत भैरव पर। लुप्त।
चैत्र कृ.	१२.	१.	शुक्रेश्वर	कालिका गली में मकान नं. डी. ८/३०।
चैत्र कृ.	१३.	१.	व्याघ्रेश्वर	भूतभैरव पर। मकान नं. डी. ६३/१६।
शनियुक्ता	१३.	१.	कामेश्वर	त्रिलोचन बाजार में सड़क के पास।
शनियुक्ता	१४.	१.	अ. जम्बुकेश्वर	बड़े गणेश पर। मकान नं. के. ५८/१०३।
शनियुक्ता	१४.		आ. केदारेश्वर	प्रसिद्ध।
चैत्र शु.	१.	१.	शैलपुत्री दुर्गा	मढियाघाट पर वरणा-तट पर शैलेश्वर के मन्दिर में।
		२.	मुखनिर्मालिका गौरी	गायघाट पर हनुमानजी के मन्दिर में।
चैत्र शु.	१.	१.	ब्रहाचारिणी दुर्गा	दुर्गाघाट के ऊपर गली में। मकान नं. के. २२/७१।
चैत्र शु.	२.	१.	ज्येष्ठा गौरी	भूतभैरव पर ज्येष्ठश्वर के समीप। मकान नं. के. ६३/३४।
चैत्र शु.	३.	१.	चित्रघण्टा दुर्गा	चौक के पास चन्दूकनाऊ की गली में। मकान नं. सी. के. २३/३४।
		२.	सौभाग्यगौरी	आदिविश्वेश्वर के मन्दिर के घेरे में।
		३.	नवगौरी	इनके स्थान नवगौरी-यात्रा में दिये जा चुके हैं।
		४.	मंगलागौरी	प्रसिद्ध।
चैत्र शु.	३.	५.	विश्वभुजा देवी	धर्मेश्वर के पास मकान नं. डी. २/१३।
		६.	आशाविनायक	मीरघाट। मकान नं. डी. ३/७९
		७.	पार्वतीश्वर	त्रिलोचन मुहल्ले में आदिमहादेव के मन्दिर में
चैत्र शु.	४.	१.	कूष्माण्डा दुर्गा	बड़ी दुर्गा। दुर्गाकुण्ड के पास।
		२.	श्रृंगारगौरी	विश्वनाथ-मन्दिर में ईशान कोण के अन्नपूर्णा-मन्दिर में।
चैत्र शु.	५.	१.	स्कन्दमाता	जैतपुरा में। वागीश्वरी-मन्दिर में। प्रसिद्ध। मकान नं. जे. ६/३३
चैत्र शु.	५.	२.	विशालाक्षी गौरी	मीरघाट पर। मकान नं. डी. ३/८४।
चैत्र शु.	६.	१.	कात्यायनी दुर्गा	आत्मावीरेश्वर के मन्दिर में। मकान नं. सी. के. ७/१५७।
		२.	ललिता गौरी	ललिताघाट पर। मकान नं. डी. ३/१५८।
चैत्र शु.	७.	१.	कालरात्रि दुर्गा	कालिका गली में कालीजी। मकान नं. डी. ८/१७।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

		२.	भवानी गौरी	अन्नपूर्णा की बगल के राम-मन्दिर में कालीजी तथा जगन्नाथजी के बीच में।
चैत्र शु.	८.	१.	महागौरी दुर्गा	इस दिन कुछ लोग अन्नपूर्णाजी का पूजन करते हैं, कुछ लोग संकठाजी का। ये दोनों स्थान प्रसिद्ध हैं।
		२.	मंगला गौरी	प्रसिद्ध।
		३.	भवानी	अन्नपूर्णाजी के निकट राम-मन्दिर में।
		४.	मध्यमेश्वर	मैदागिन के उत्तर।
		५.	ज्येष्ठा गौरी	भूतभैरव पर। मकान नं. के. ६३/२४।
		६.	महामुण्डा देवी	जैतपुरा के समीप। वागीश्वरी में नीचे की कोठरी में। मकान नं. जे. ६/३३।
चैत्र शु.	९.	१.	सिद्धिदात्री दुर्गा	कुछ लोग सिद्धेश्वरी देवी का पूजन करते है, जो चन्द्रेश्वर के मन्दिर में सिद्धेशवरी मुहल्ले में हैं और कुछ सिद्धमाता का, जो टाउन हाल के पीछे के गली में हैं।
		२.	महालक्ष्मी गौरी	लक्ष्मीकुण्ड पर मकान नं. डी. ५२/४०।
		३.	रामचन्द्र	सभी राम-मन्दिरों में।
चैत्र शु.	१३.	१.	कामेश्वर	त्रिलोजन बाजार की गली में। मकान नं. ए २/९।
चैत्र शु.	१४.	१.	पशुपतीश्वर	प्रसिद्ध। मकान नं. सी. के. १३/६६।
चैत्र शु.	१५.	१.	कृत्तिवासेश्वर	वृद्धकाल के दक्षिण। इस दिन इनकी महापूजा का बड़ा माहात्म्य है। मकान नं. के. ४६/२३०।
		२.	चन्द्रेश्वर	सिद्धेश्वरी के मन्दिर में। मकान नं. सी. के. ७/२२४।
चैत्र शु.	१४.	३.	केदारेश्वर	प्रसिद्ध
वैशाख कृ.	१.	१.	ओंकारेश्वरादि चतुर्दशायतन	इन तीर्थो के स्थान चतुर्दशायतन यात्रा शीर्षक में दिये जा चुसे हैं
		२.	ओंकारेश्वर	ओंकारेश्वर मुहल्ले में
वैशाख कृ.	२.	१.	त्रिलोचन	प्रसिद्ध
वैशाख कृ.	३.	१.	आदिमहादेव	त्रिलोचन के पास।
वैशाख कृ.	४.	१.	कृत्तिवासेश्वर	वृद्धकाल के दक्षिण। मकान नं. के. ४६/२३।
वैशाख कृ.	५.	१.	रत्नेश्वर	वृद्धकाल के दक्षिण। मकान नं. के. ४६/२३।
वैशाख कृ.	६.	१.	चन्द्रेश्वर	सिद्धेश्वरी के मन्दिर में। मकान नं. के. ७/१२४।
वैशाख कृ.	७.	१.	केदारेश्वर	प्रसिद्ध।
वैशाख कृ.	८.	१.	धर्मेश्वर	मीरघाट। धर्मकूप के पास मकान नं. डी. २/२१।
		२.	पंचमुद्रा देवी	संकठजी के नाम से प्रसिद्ध। मकान नं. सी. के. ७/१५९
वैशाख कृ.	९.	१.	आत्मावीरेश्वर	प्रसिद्ध। मकान नं. सी. के. ७/१५८।
वैशाख कृ.	१०.	१.	कामेश्वर	मछोदरी के पास गली में। प्रसिद्ध। मकान नं. ए. २/९।
वैशाख कृ.	११.	१.	विश्वकर्मेश्वर	हनुमान् फाटक के उत्तर। मकान नं. ए. ३४/६।
वैशाख कृ.	१२.	१.	मणिकर्णीश्वर	गोमठ में राजा वर्दवान के घेरे के पास। मकान नं. सी के. ८/१२।
वैशाख कृ.	१३.	१.	अविमुक्तेश्वर	ज्ञानवापी मस्जिद की सीढियों के सामने, खिड़की में अथवा विश्वनाथ के

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

				वर्तमान मन्दिर में।
शनि-संयुक्त	१३.	१.	कामेश्वर	मछोदरी के पास गली में। प्रसिद्ध। मकान नं. ए. २/९।
शनि-संयुक्त	१४.	१.	विश्वेश्वर	प्रसिद्ध।
वैशाख कृ.	३.	१.	त्रिलोचन	त्रिलोचनघाट पर।
		२.	परशुरामेश्वर	नन्दन साह के मुहल्ले में। मकान नं. सी. के. १४/१६।
वैशाख कृ.	१४.	१.	ओंकारेश्वर	ओंकारेश्वर मुहल्ले में। मकान नं. ए. ३३/२३।
		२.	नृसिंह	प्रह्लाद-घाट राजमन्दिर, दुर्गाघाट तथा गोमठ में और सभी नृसिंह-मन्दिरों में।
ज्योष्ठ कृ.	१.	१.	अमृतेश्वरादि	इनके स्थान 'चतुर्दशायतन-यात्रा' शीर्षक में देखिए।
		२.	अमृतेश्वर	ब्रह्मनाल पर। मकान नं. सी. के. ३३/२८ में।
ज्योष्ठ कृ.	१.	१.	तारकेश्वर	ज्ञानवापी के पूर्व। लिंग लुप्त।
ज्योष्ठ कृ.	३.	१.	ज्ञानेश्वर	लाहौरीटोला में धनीराम खत्री के. मकान में। मकान नं. डी. १/३२।
ज्योष्ठ कृ.	४.	१.	करूणेश्वर	ललिताघाट पर। मकान नं. सी. के. ३४/१०।
ज्योष्ठ कृ.	५.	१.	मोक्षद्वारेश्वर	लाहौरीटोला में मकान नं. सी. के. ३४/१०।
ज्योष्ठ कृ.	६.	१.	स्वर्गद्वारेश्वर	ब्रह्मनाल में, स्वर्गद्वारी में। मकान नं. सी. के. १०/१६।
ज्योष्ठ कृ.	७.	१.	ब्रह्मेश्वर	बालमुकुन्द के चौहट्टा में। मकान नं. सी. के. ३३/६७।
ज्योष्ठ कृ.	८.	१.	लांगलीश्वर	खोवाबाजार में। मकान नं. सी. के. २८/४।
ज्योष्ठ कृ.	९.	१	वृद्धाकलेश्वर	दारानगर में प्रसिद्ध। मकान नं. के. ५२/३९।
ज्योष्ठ कृ.	१०.	१.	वृषेश्वर	हरिश्चन्द्र कॉलेज के पास गोरखनाथ के टीले पर। मकान नं. के. ५८/७८।
ज्योष्ठ कृ.	११.	१.	चण्डीश्वर	सदर बाजार में चण्डी देवी के मन्दिर में।
ज्योष्ठ कृ.	१२.	१.	नन्दिकेश्वर	ज्ञानवापी के उत्तर। लुप्त।
ज्योष्ठ कृ.	१३.	१	महेश्वर	ज्ञानवापी के नैऋत्य कोण में पीपल के नीचे अथवा मणिकर्णिकाघाट पर।
ज्योष्ठ कृ.	१४.	१.	ज्योतिरूपेश्वर	मणिकर्णिकेश्वर के पास।
ज्येष्ठ शु.	१-१०	१.	दशाश्वमेधेश्वर	दशाश्वमेध घाट पर।
ज्येष्ठ शु.	८.	१.	ज्येष्ठा गौरी	काशीपुरा में भूतभैरव के पास। मकान नं. ६३/२४।
ज्येष्ठ शु.	१०.	१.	गंगेश्वर तथा गंगाजी	ज्ञानवापी के पूर्व, पीपल के नीचे। लिंग लुप्त। अथवा पशुपतीश्वर के पूर्व। गंगास्नान तथा गंगाजी के पूजन भी।
ज्येष्ठ शु.	१४.	१.	ज्येष्ठेश्वर	सप्तसागर में मकान नं. के. ६२/१४४।
		२.	ज्येष्ठविनायक	वहीं। उसी मन्दिर में।
सोमवार नक्षत्रयुक्त	अनुराधा	१.	रथयात्रा	जैगीषव्यगुहा ईश्वरगंगी में जागेश्वर महादेव के पीछे। मकान नं. ६६/३।
आषाढ शु.	२.	१.		राजा तालाब पर। बेनीराम के बगीचा के पास।
आषाढ शु.	१४.	१.	आषाढीश्वर	काशीपुरा में रानी बेतिया के शिवालय के पीछे। अथवा राजादरवाजा के पास भारभूतेश्वर के उत्तर। मकान नं. सी. के. ५४/२४।
आषाढ शु.	१५.	१.	आषाढीश्वर	काशीपुरा में रानी बेतिया के शिवालय के पीछे। अथवा राजादरवाजा के पास भारभूतेश्वर के उत्तर। शिवालय नं. सी. के. ५४/२४ में।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

		२.	व्यासेश्वर	कर्णघण्टा पर। मन्दिर में जल भर गया है, दर्शन नहीं होते।
		३.	विशिष्ट पंचतीर्थ यात्रा	जिसमें कपालमोचन, ऋणमोचन, पापमोचन, वैतरणी तथा कुलस्तम्भ में स्नान।
			श्रावण कृ. ३०	ये सभी स्थान प्रसिद्ध हैं। यह यात्रा मतान्तर से भाद्र कृ. ३० को पंचपुष्करिणी यात्रा के नाम से भी होती है।
श्रावण शु.	४.	१.	ढुण्ढिराज	प्रसिद्ध।
श्रावण शु.	५.	१.	वासुकीकुण्ड	नागकुआँ के समीप। लुप्त।
		२.	सासुकीनाग	नागकुआँ के समीप। लुप्त।
		३.	वासुकीश्वर	आत्मावीरेश्वर के समीप। मकान नं. सी. के. ७/१५५।
		४.	कर्कोटक वापी	नागकुआँ प्रसिद्ध। मकान नं. जे. २३/२०६।
श्रावण शु.	१४.	१.	आदिमहादेव	त्रिलोचन के पास। पवित्रारोपण।
भाद्र कृ.	३.	१.	विशालाक्षी	मीरघाट। मकान नं. डी. ३/८५।
भाद्र कृ.	८.	१	गंगातीस्थ महालक्ष्मी	केदारेश्वर के दश्रिण मकान नं. बी. ६/९९ में
भाद्र शु.	३.	१.	मंगलागौरी	प्रसिद्ध। मकान नं. के. २४/३४।
भाद्र शु.	४.	१.	ढुण्ढिराज	प्रसिद्ध।
भाद्र शु.	६.	१.	लोलार्क	मदैनी पर प्रसिद्ध।
भाद्र शु.	८.	१.	महालक्ष्मी	लक्ष्मीकुण्ड पर प्रसिद्ध। यह यात्रा सोलह दिनों तक चलती हैं- भाद्र शु. ८ से आश्विन कृ. ८ तक। सोरहिया का मेला इस नाम से प्रसिद्ध है। मकान नं. डी. ४२/४०।
भाद्र शु.	१२.	१.	वरणासंगम	प्रसिद्ध।
भाद्र शु.	१५.	१.	कुलस्तम्भ	लाटभैरव प्रसिद्ध।
		२.	आश्विनेयेश्वर	यदि इस दिन पूर्वभाद्रपदा नक्षत्र पड़ जाय, तो अत्यन्त पुनीत। गंगामहल के सामने। मकान नं. सी.के. २/२६।
आश्विन कृ.	२.	१.	ललितायात्रा	ललिताघाट। त्रि. से. के अनुसार आश्विन कृ. ३ को यह यात्रा होती है। मकान नं. डी. १/६७।
	३०.	१.	पितृकुण्ड	पितरकुण्डा, औरंगाबाद के समीप।
आश्विन शु.	१-९	१.	विश्वभुजा गौरी	धर्मकूप के पास मीरघाट पर। मकान नं. डी. २/१३।
		२.	नवदुर्गा यात्रा	चैत्र नवरात्र में वर्णित क्रम में।
आश्विन शु.	१-९	३.	दुर्गायात्रा	बड़ी दुर्गा। दुर्गाकुण्ड के पास।
		४.	चौसठ योगिनी-यात्रा	चैत्र कृ० १ को वर्णित स्थानों में।
आश्विन शु.	८.	१.	भवानी गौरी	अन्नपूर्णा के पास के राम-मन्दिर में।
		२.	महामुण्ड चण्डी	जैतपुरा में। वागीश्वरी मन्दिर में नीचे की कोठरी में।
		३.	छागेश्वरी	कपिलधारा पर वृषभध्वज के दक्षिण में।
कार्त्तिक कृ.	१४.	१.	मानसरोवर	मनसरोवर प्रसिद्ध। अब लुप्त।
कार्त्तिक शु.	२.	१.	यमेश्वर	संकठाघाट गंगातट पर।
कार्त्तिक शु.	८.	१.	धर्मेश्वर	मरिघाट, धर्मकूप के पास। मकान नं. डी. २/२१।
कार्त्तिक शु.	११.	१.	बिन्दुमाधव	प्रसिद्ध पंचगंगा पर। वर्त्तमान काल में यह यात्रा एकादशी में पूर्णिमा

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

			पर्यन्त होती है।
कार्त्तिक शु.	१४.	१. विश्वेश्वर	विश्वेश्वर की महापूजा। यह उनका प्रतिष्ठा-दिन है।
		१. नरनारायण	मतान्तर से पौष के प्रत्येक रविवार को। महथाघाट पर।
पौष शुक्ल	१५		बद्रीनारायण नाम से प्रसिद्ध।
माघशीर्ष कृ.	२.	१. दण्डपाणि	ढुण्ढिराज गली में तथा विश्वनाथ मंदिर के पश्चिम के मन्दिर में। कालभैरव मन्दिर के पीछे क्षेत्रपाल नाम से प्रसिद्ध। मकान नं. के. ३२/२६ के बाहर।
माघशीर्ष कृ.	८.	१. कालभैरव	प्रसिद्ध। मकान नं. के. ३२/२२।
माघशीर्ष कृ.	६.	१. मातलीश्वर	मालतीश्वर नाम से वृद्धकाल के घेरे में।
		२. लोलार्क	यदि रविवार हो, तो अति पुनीत। प्रसिद्ध।
माघशीर्ष कृ.	११.	१. कालमाधव	काठ की हवेली के पीछे आमर्दकेश्वर के मन्दिर में मकान नं. के. ३०/४ में
		२. पादोदक तीर्थ	एकादशी में पूर्णिमा तक-वरणासंगम में स्नान तथा आदिकेशव-दर्शन।
माघशीर्ष कृ.	१४.	१. पिशाचमोचन	प्रसिद्ध। स्नान तथा कपर्दीश्वर का दर्शन-पूजन।
माघ शुक्ल	१५.	१. गोपीगोविन्द	लालघाट पर स्नान तथा गौरीशंकर महादेव के मन्दिर में गोपीगोविन्द का दर्शन। मकान नं. के. ४/२४ में
		२. भृगुकेशव	गोलाघाट पर।
माघ कृ.	४.	१. वक्रतुण्डयात्रा	बड़े गणेश का दर्शन-पूजन।
माघ कृ.	१४.	१. अविमुक्तेश्वर-यात्रा	विश्वनाथजी के घेरे में।
		२. कृत्तिवासेश्वर	रत्नेश्वर के समीप। ज्ञानवापी मस्जिद की सीढ़ी के सामने।
माघ शु.	४.	१. ढुण्ढिराज	प्रसिद्ध।
		२. मुखप्रेक्षणिका	मंगला गौरी के पास गमस्तीश्वर के नैऋत्यकोण में।
माघ शु.	७.	१. लोलार्क	प्रसिद्ध।
माघ शु.	७.	२. केशवादित्य	वरणासंगम में स्नान करके मौन रहकर केशवादित्य का पूजन, आदिकेशव के मन्दिर में। माघ शु. ७ को यदि रविवार हो, तभी यह यात्रा होती है।
		३. साम्बादित्य	सूर्यकुण्ड पर।
फा. कृ.	१४.	१. अविमुक्तेश्वर	विश्वनाथ के मन्दिर में अथवा मस्जिद की सीढ़ी के सामने।
		२. कृत्तिवासेश्वर	रत्नेश्वर के पास बगीचे में। इस दिन हरतीरथ की आलमगरी मस्जिद में भी यात्रा होती है।
		३. प्रीतिकेश्वर	साक्षीविनायक के पीछे। मकान नं. डी. १०/८।
		४. रत्नेश्वर	वृद्धकाल की सड़क पर। मकान नं. के. ५३/४०।
फा. शुक्ल	५.	दाल्भ्येश्वर	मानमन्दिर-घाट। सोमेश्वर के समीप।

(घ) इनके अतिरिक्त कुछ अन्य विशेष यात्राएँ भी होती है।

१.	कर्क-संक्रान्ति के दिन	शंखोद्धारतीर्थ (शंखधारा की यात्रा)।
२.	अगस्त्योदय पर	अगस्त्यकुण्ड (अगस्त्यकुण्डा में) की यात्रा तथा वहाँ अगस्त्य को अध्येदान।
३.	सिंहस्थगुरू में	गोदावरीकुण्ड की यात्रा। गोदावरीकुण्ड अब लुप्त हो गया है।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

४.	माघ मास में	रामनगर के किले में स्थित वेदव्यास अथवा व्यासेश्वर की यात्रा सभी काशी-निवासियों के लिए परमावश्यक मानी जाती है। कुछ लोग रामनगर से कुछ दूर पर स्थित पुनःस्थापित शिवलिंग की यात्रा करते हैं, जो ठबड़े वेदव्यास' नाम से प्रसिद्ध है।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.